मेरे दोस्त की बहनों ने मुझे चोदा-२

प्रेषक : राजेन्द्र सिंह

मेरी पिछली आपबीती कहानी 'मेरे दोस्त की बहनों ने मुझे चोदा' का अगला भाग लेकर आया हूँ मैं !

आप लोगों के मेल मुझे मिले, कुछ लोगों ने बहुत प्यार दिया और कुछ लोगों ने गालियों से सत्कार किया।

तो दोस्तों मैं अपनी कहानी को आगे बढ़ाता हूँ : चौथी की हवस का शिकार बना मैं

अपने दोस्त की तीन बहनों को तो मैं चोद चुका था पर एक बच गई थी जिसका नाम सोनू था। सोनू सबसे बड़ी थी, उसकी उम्र करीब 25-26 साल की थी और उसकी कुछ महीनों बाद शादी भी होने वाली थी और वो हर वक़्त अपनी शादी की सुहागरात के बारे में सोचती रहती थी।

जब मैं तीनों लड़कियों को चोद रहा था तब वो सोनू हमें खिड़की से देख रही थी। जब मैं तीनो को पूरी तरह से चोद चुका था तब मुझे बहुत शांति मिली। पर मुझे क्या पता था कि एक और हैं चोदने के लिए, वो सबसे बड़ी थी इसलिए मैंने उसके साथ सेक्स करने के बारे में नहीं सोचा था। पर सोनू के मन में तो बस सेक्स ही घूम रहा था। वो कमरे में आई जिसमें हम चारों बैठे थे, मेरा हाथ पकड़ा, मैं डर गया। उसने मेरा हाथ पकड़ा और एक दूसरे कमरे में ले गई, कमरे की कुण्डी लगा दी। उसकी आँखों में जैसे खून उतर आया था, उसे देख कर मेरी गांड और फट गई। फिर सोनू ने मुझे बेड पर धक्का दे कर लिटा दिया उसकी तीनों बहनें खिड़की से सब कुछ देख रही थी। सोनू ने सीडी प्लेयर पर 'आशिक बनाया आपने' का गाना लगा दिया और वो मेरी तरफ देखने लगी। मैंने अपनी आंखे नीचे कर ली क्योंकि वो मुझसे उम्र में बहुत बड़ी थी। अब वो धीरे धीरे मेरी तरफ बढ़ने लगी।

मैं अपने मन में यही सोच रहा था कि यार जो काम मुझे करना चाहिए था, वो तो यह कर कही है, और डरना इसे चाहिए था, तो डर मैं रहा हूँ। फिर मैंने भी यह फैसला कर लिया कि सोनू जो करना चाहती है, करने देता हूँ। मैं भी तो देखूँ कि एक लड़की में कितना सेक्स होता है। बस फिर क्या था, मैं चुपचाप लेटा रहा, सोनू धीरे धीरे मेरे पैरों को चूमती चूमती ऊपर की ओर आने लगी। पर मुझे कुछ भी नहीं हो रहा था क्योंकि मैं पहले ही तीन लडकियों को अच्छी तरह चोद चुका था।

वो धीरे धीरे मेरे सीने पर आ गई और मेरे सीने को चूमने लगी, फिर गले को चूमने लगी। कुछ देर में सोनू मेरे होंटों को आम की तरह चूसने लगी। दो तीन बार तो सोनू ने मेरे होंटों को काटा भी, पर फिर भी मैं लेटा ही रहा। बहुत देर तक सोनू मेरे होंटों को चूसती रही और एक ही गाना बार बार चलता रहा। सोनू अपना एक हाथ धीरे धीरे नीचे की ओर ले गई और मेरी पैंट के ऊपर से ही मेरा लंड पकड़ लिया। लंड तो गहरी नींद में सो रहा था पर फिर भी सोनू मेरे लंड को नींद से जगाने में लगी हुई थी। सोनू ने मेरी पैंट की जिप खोली और मेरा लंड हाथ में ले लिया।

उसके गरम हाथों ने जैसे ही मेरा लंड पकड़ा, मेरे शरीर में बिजली सी दौड़ गई और मैंने सोनू को जोर से अपनी बाहों में भर लिया, इतनी जोर से पकड़ा कि सोनू चिल्ला पड़ी। खिड़की से सोनू की तीनों बहनें सब देख रही थी। मैंने सोनू से बोला- सोनू जी, पहले आप यह खिड़की बंद कर दो। नहीं तो तुम चारों बहनें मुझे मेरे घर नहीं जाने दोगी और मेरे अन्दर इतनी ताकत नहीं है कि एक के बाद एक की चुदाई कर सकूँ !

सोनू ने खिड़की बंद कर दी और फिर से वो मेरे ऊपर आ गई। अब सोनू धीरे धीरे ऊपर से नीचे की ओर चूमते हुए आने लगी और मेरे ठंडे लंड को अपने मुँह की गर्मी देने लगी। कुछ देर तक

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.

सोनू मेरे लंड को चूसती रही। सोनू ने मेरे लंड को चूसते-चूसते खड़ा कर दिया। फिर क्या था- लोहा गरम था, बस चोट मारना बाकी था। मैंने सोनू को कुतिया की तरह झुकने को कहा पर उसके मन में तो कुछ और ही चल रहा था।

सोनू बोली- अभी रूको मेरी जान ! जल्दी क्या है, अभी तो खेल बहुत देर तक चलेगा ! अभी से चोक्के-छक्के लगाओगे तो जल्दी आउट हो जाओगे !

बस इतना बोला और सोनू ने अपनी चूत मेरे मुँह पर सटा दी और बोली- मैं ही सब करुँगी या तू भी कुछ करेगा ? चाट मेरी चूत को !

और हम 69 की पोजीशन में आ गए। सोनू मेरा लंड चूस रही थी और मैं उसकी चूत ! बहुत देर तक यही चुसमचासी होती रही।

मैं उसकी चूत चूसते-चूसते थक गया था तो मैंने अपनी दो उंगलियाँ उसकी चूत में डाल दी। वो शायद पहले भी किसी से चुद चुकी थी, दो उंगलियों से साली को कुछ भी नहीं हुआ पर फिर भी मैं दो उंगलियाँ अन्दर बाहर करता रहा। धीरे धीरे दो से तीन उंगलियाँ अन्दर कर दी। जैसे ही मैंने तीन उंगलियाँ अन्दर की, सोनू तो उछल गई और बोली- हाय, यह क्या किया तूने ! कितना मज़ा आ रहा था चूसने और चुसवाने में ! अब तूने मेरी चूत में खुजली कर दी ! अब तो बस तू मेरी चूत फाड़ ही डाल ! अब नहीं रुका जायेगा ! अब तू मुझे कुतिया बना या घोड़ी, बस चोद दे मुझे तू !

फिर क्या था, सोनू को मैंने बेड पर पीठ के बल लिटा दिया, उसकी दोनों टाँगें अपने कंधे पर रखी और अपने एक हाथ से अपना लंड पकड़ कर सोनू की चूत के मुँह पर रगड़ने लगा। लंड की रगड़ से सोनू और पागल हो गई और मुझे गाली दे कर बोली- कुत्ते ! अब अपने लंड को चूत में तो डाल !

पर मैं कहाँ सुनने वाला था, मैं तो बस उसकी चूत पर अपना लंड रगड़ता रहा, बहुत देर तक सोनू मुझे गन्दी गन्दी गलिया देती रही और मैं रगड़ता रहा। अब सोनू की चूत से चिकना सा पानी निकलने लगा, सोनू बोली- कुत्ते, डाल दे चूत में ! मैं झड़ने वाली हूँ !

मैंने सोनू के चिकने पानी को अपने लंड पर लगाया और जोर का धक्का मारा, सोनू एक दम से चीख पड़ी- आआआआआआआआआआआअ कुत्ते मार डाला !

मैंने सोनू की चूत में जैसे ही अपना लंड डाला वो झड़ गई, मेरा पूरा लंड उसकी चूत के पानी से नहा गया और वो शांत पड़ गई। पर मैं नहीं झड़ा था, मैं सोनू की चूत चोदता रहा पर सोनू की चूत मारने में मज़ा नहीं आ रहा था क्योंकि वो पहले भी किसी से चुद चुकी थी। फिर मैंने सोनू से बोला- सोनू, तेरी चूत मारने में मज़ा नहीं आ रहा ! मैं तो तेरी गांड मारुंगा !

पर सोनू ने मना कर दिया पर मैं भी बहुत जिद्दी था, मैंने सोनू की चूत एक कपड़े से साफ की और चूत के दाने को अपनी जीभ से सहलाने लगा। धीरे धीरे सोनू को फिर से जोश चढ़ने लगा। सोनू कुछ ही देर में फिर से पागलों की तरह मेरे सर को पकड़ के अपनी चूत पर दबाने लगी। मैं समझ गया कि सोनू अब पूरी तरह जोश में है।

सोनू मुझसे बोली- फाड़ दे मेरी चूत को !

पर मुझे तो गांड मारनी थी, बस मैं खड़ा हो गया और अपने घर जाने लगा। सोनू सेक्स में पूरी तरह तड़प रही थी। सोनू बोली- कहाँ जा रहे हो तुम?

मैंने बोला- अपने घर जा रहा हूँ !

फिर सोनू बोली- मुझे तड़पता हुआ छोड़ कर क्यों जा रहे हो ?

मैंने बोला- तेरी चूत मारने में मुझे बिल्कुल भी मज़ा नहीं आ रहा है, तेरी चूत मारने से तो अच्छा है कि मैं मुठ ही मार लूँ !

सोनू तड़पती हुई बोली- प्लीज़ ! राहुल, मुझे ऐसे छोड़ कर मत जाओ !

मैंने बोला- मैं एक ही शर्त पर तुझे चोदूंगा !

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.

वो बोली- क्या?

मैंने कहा- मुझे तेरी गांड मारनी है, अगर तुझे गांड मरवानी हैं तो बोल, नहीं तो मैं चला !

सोनू बोली- नहीं राहुल ! गांड मरवाने से मुझे बहुत दर्द होता है, मैं वो दर्द सहेन नहीं कर पाती !

मैंने उसे भरोसा दिलाया कि दर्द नहीं होने दूंगा। फिर सोनू अपनी गांड मरवाने के लिए तैयार हो गई। मैंने पास पड़ी बोरोप्लस की क्रीम अपनी बड़ी उंगली से सोनू की गांड पर लगाई और वो उंगली सोनू की गांड में डाल दी सोनू ने थोड़ी सी सिसकी भरी, मैं उंगली को सोनू की गांड में अन्दर बाहर करने लगा और जैसे जैसे मैं अपनी उंगली की स्पीड तेज करता, वैसे वैसे सोनू की सिसकियाँ भी तेज हो जाती।

सोनू बस यही बोल रही थी- नहीं राहुल ! नहीं राहुल ! आआआआआआआईईईईईईईईऊऊऊऊऊ !

उसकी चीखें धीरे धीरे कामुक स्वर में बदलती जा रही थी और कसी गांड धीरे धीरे नरम होती जा रही थी। मैंने भी अपनी एक उंगली की जगह दो उंगलियाँ सोनू की गांड में डाल दी और फिर अब सोनू की गांड मेरे लंड के लिए तैयार थी।मैंने एक बार फिर से बोरोप्लस क्रीम सोनू की गांड पर लगाई और अपने लंड को धीरे धीरे सोनू की गांड में डालना शुरू किया। अभी बस अग्र भाग ही अन्दर गया था कि सोनू चिल्ला पड़ी। मैंने सोनू को थोड़ा प्यार किया और उसे घुटनों और हाथों के बल झुका दिया। उसकी टाँगों और जांघों के बीच में दो तकिये लगा दिये जिससे सोनू की गांड ठीक मेरे लंड पे आ गई। अब उसकी गांड भी सही तरह से खुल गई और मेरे लंड के निशाने पर भी आ गई। मैंने एक बार फिर से सोनू की गांड में अपना लंड डालना शुरू किया। धीरे धीरे मेरा लंड सोनू की गांड की गहराई में समा गया। पहले तो मैंने धीरे धीरे अपना लंड सोनू की गांड में अन्दर-बाहर किया और फिर धीरे धीरे मेरे लंड की स्पीड तेज होने लगी। सोनू की सिसकियाँ चीखों में बदलने लगी आआआआआआईईईईईईइ माम्म्म्मम्म मैं मार गईईईईईईई राहुल नहींईईईईईइ !

पर मैं तो अपने ही जोश में था, मैंने उसकी एक नहीं सुनी और जोर जोर के धक्के मारने लगा। धीरे धीरे सोनू का दर्द भी कम होने लगा और उसे मज़ा आने लगा। कुछ देर में सोनू खुद ही अपनी गांड उठा उठा कर मेरा पूरा का पूरा लंड अपनी गांड में ले जाती और बोली- और जोर से ! मज़ा आ रहा हैं राहुल ! और चोदो मुझे !

पर अब मैं कुछ ही देर का मेहमान था, 5-6 धक्कों के साथ मैं उसकी गांड में ही झड़ गया पर सोनू अभी भी नहीं झड़ी थी। मैंने उसकी चूत के दाने को चूसना शुरू कर दिया। कुछ ही मिनटों में सोनू भी झड़ गई और हम दोनों एक दूसरे से चिपक कर कुछ देर तक लेटे रहे और किस करते रहे।

फिर मैं अपने घर जा कर सो गया।

उस दिन के बाद मैं उनके पास बहुत कम जाने लगा पर जब भी जाता तो बस अपनी गर्लफ्रेंड रीतू को ही चोदता था और किसी को नहीं !

फिर कुछ ही महीनों बाद दो लड़कियों की एक साथ शादी हो गई और कुछ साल बाद दो और लड़कियों की शादी हो गई।

मेरा यह सफ़र यहीं खत्म होता है, मेरी अगली कहानी में आप पढ़ेंगे कि किस तरह मैंने एक लड़के को चोदा जिसे चुदने का बहुत शौक था।

दोस्तो, मेरी कहानी आप को कैसे लगी, मुझे जरूर बतायें ! आपके मेल से हम लोगों का हौंसला बढ़ता है।

धन्यवाद !

singhrocky60@gmail.com ०८ जनवरी, २०१०

तम्बाकू से कैंसर होता है !

जल है तो कल है ! आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचाएँ !

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.